Gmail: delhitimesnews@gmail.com | दिल्ली टाइम्स न्यूज का प्रकाशन | सम्बद्ध: नेशनल मीडिया फेडरेशन, नई दिल्ली | RNI.No. 6609/1997

Delhi Times News मीडिया MEDIA www.delhitimesnews.com

लोकप्रिय

दिल्ली टाइम्स

जनता की निर्भीक आवाज

www.delhitimesnews.org

समर्पण समाज को

वर्ष : 30 — अंक : 20 | नई दिल्ली, 18-24 मई 2026 | मूल्य: 2 रुपए | पृष्ठ: 04 | प्रधान संपादक : डॉ जसबीर आर्य | प्रभारी संपादक: अजीत स्वामी | हेल्प लाइन:9212412283

सार्वदेशिक आर्यवीर दल, पंजाब प्रांत

आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब
एवं गुरु विरजानन्द गुरुकुल, करतारपुर
के मार्गदर्शन एवं सहयोग से इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

संस्कृति रक्षा ● सेवा कार्य ● शक्ति संचय

सभी आदरणीय अभिभावकों को सादर नमस्कार।
आर्यवीर दल वैदिक संस्कृति के संरक्षण,
निस्वार्थ सेवा तथा युवा शक्ति के संगठन द्वारा
राष्ट्र एवं समाज के निर्माण हेतु निरंतर कार्यरत है।
इसी उद्देश्य को साकार करते हुए, पंजाब प्रांत आर्यवीर दल द्वारा आगामी दिनों में विशेष आवासीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिनका विवरण निम्नलिखित है–

● प्रथम शिविर (बालकों हेतु)
25 मई से 1 जून 2026
गुरुकुल करतारपुर
यह शिविर बालकों (आर्यवीरों) के लिए पूर्णत: आवासीय रहेगा।

● द्वितीय शिविर (बालिकाओं/आर्यवीरांगनाओं हेतु)
7 जून से 13 जून 2026
हिंदू कन्या कॉलेज, कपूरथला
यह शिविर बालिकाओं के लिए पूर्णत: आवासीय रहेगा।

इन शिविरों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, वैदिक संस्कार एवं शारीरिक सुदृढ़ता का विकास किया जाएगा।
अत: आप सभी अभिभावकों से विनम्र अनुरोध है कि अपने बच्चों को इन शिविरों में भाग लेने हेतु अभी से मानसिक रूप से तैयार करें तथा उन्हें इस श्रेष्ठ अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें।
ये शिविर पंजाब प्रांत आर्यवीर दल के संचालक, आदरणीय डॉ. उदयन आर्य जी के मार्गदर्शन एवं निदेर्शानुसार आयोजित किए जा रहे हैं।
आइए, इस शुभ अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि–
वेद ● धर्म ● राष्ट्र ● समाज की सेवा में
पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

निवेदकगण :

प्रांत स्तर :

1. डॉ. उदयन आर्य जी	प्रांत संचालक
2. राहुल आर्य जी	महामंत्री
3. संजय छाबड़ा जी	कोषाध्यक्ष

जिला संचालक :

1. मेहर चंद आर्य जी	अबोहर
2. शुभम जी	चंडीगढ़
3. तनमय जी	राजपुरा
4. आर्यन वर्मा जी	मंडी गोबिंदगढ़
5. अभिषेक जी	जालंधर
6. रोहित कुमार जी	कपूरथला
7. लवदीप सिंह जी	होशियारपुर
8. गगन आर्य जी	मोहाली

नगर संचालक :
1. नरेंद्र जी – करतारपुर

धर्मो रक्षति रक्षित

सीएम रेखा गुप्ता, मंत्रियों व अधिकारियों ने मेट्रो व डीटीसी बस से किया सफर

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार के ह्यमेट्रो मंडेह्व अभियान के तहत सोमवार को अपने दफ्तर आने-जाने के लिए दिल्ली मेट्रो व डीटीसी बस में सफर किया। मुख्यमंत्री की अपील पर दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों व सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने कार्यालय पहुंचने के लिए मेट्रो रेल व दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों का इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक परिवहन, ईंधन संरक्षण और जिम्मेदार नागरिक भागीदारी का संदेश दिया। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी मेट्रो से यात्रा की।

मुख्यमंत्री ने अपने दिन की शुरूआत जनभागीदारी के संदेश के साथ की। वह अपने आवास से लोक निवास में उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के लिए पैदल पहुंचीं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक कार के जरिए कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन तक यात्रा की और वहां से आईटीओ मेट्रो स्टेशन तक दिल्ली मेट्रो सेवा का उपयोग किया। आईटीओ मेट्रो स्टेशन पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय दिल्ली सचिवालय तक जाने के लिए फीडर बस सेवा का उपयोग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और रविन्द्र इंद्राज भी मौजूद थे। बाद में सीएम ने दिल्ली सचिवालय से अपने सरकारी निवास जाने के लिए दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन तक बस से सफर किया। फिर वहां से मेट्रो से कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पहुंची। इस दौरान उन्होंने लोगों से बातचीत भी किया।

पहले चरण में NDMC व दिल्ली कैंट में 63,000 से अधिक परिवार सूचीबद्ध

नई दिल्ली: दिल्ली में चल रही जनगणना 2027 की प्रक्रिया के दौरान लुटियंस दिल्ली और दिल्ली कैंट इलाकों में 63,000 से ज्यादा घरों और लगभग 2.5 लाख लोगों की गिनती की गई। यह जनगणना के हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग ऑपरेशन चरण के तहत 16 अप्रैल से 15 मई तक चली। जनगणना करने वाले एनडीएमसी और दिल्ली कैंट इलाकों में 63,000 से ज्यादा घरों तक पहुंचे, जिसमें लगभग 2.5 लाख आबादी शामिल थी। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के पूरा होने के बाद और भी पक्के आंकड़े सामने आएंगे।

पत्रकारों की एकजुटता, लोकतंत्र की मजबूती
हम हैं
NATIONAL MEDIA FEDERATION
पत्रकारों का एक प्रतिष्ठित संगठन
NATIONAL MEDIA FEDERATION NEW DELHI
प्रिय मीडिया बंधुओं!
जय हिंद! आप सभी को सूचित किया जाता है कि NATIONAL MEDIA FEDERATION (NMF) राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय एक पत्रकार संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी।
हमारा उद्देश्य
पत्रकारों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनों, संवाददाताओं एवं मीडिया से जुड़े सभी साथियों की सुरक्षा, सम्मान, सुरक्षा कवच और अधिकारों के लिए संघर्ष करना। लोकतंत्र की रक्षा, सच्चाई का प्रचार और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना हमारा संकल्प है।
हमारी विशेषताएँ
पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा
प्रेस कार्ड एवं पहचान पत्र
कानूनी सहायता एवं मार्गदर्शन
प्रशिक्षण, कार्यशालाएँ एवं सेमिनार
राष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क एवं सहयोग
आपसी एकता, सम्मान और सहयोग
हमारा आह्वान
आइए, एकजुट हों, सशक्त बनें और मीडिया की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।
"मीडिया एकता जिंदाबाद"
जुड़ें, सहयोग दें और राष्ट्रहित में हमारे इस अभियान का हिस्सा बनें।
डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं सोशल एक्टिविस्ट
चेयरमैन, नेशनल मीडिया फेडरेशन, नई दिल्ली
www.nationalmediafederation.org
mediaforceindia@gmail.com
9968004686
9868422283
सच्चाई की आवाज़, समाज के साथ – NMF आपके साथ

मानसून से पहले नालों की सफाई पूरा होने में है संशय

नई दिल्ली: दिल्ली में इस बार मानसून के दौरान जलभराव न हो, इसके लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), बाढ़ व नियंत्रण विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियां नालों की सफाई के कार्य में लग गई है। प्रशासनिक स्तर पर नालों की तय समय पर सफाई हो जाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जिस तरह से सफाई कार्य सुस्त चाल में चल रहा है, उससे नहीं लगता कि उपरोक्त एजेंसियां अपने लक्ष्य तक नालों का सफाई कार्य पूरा कर लेगी।

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

दिल्ली सरकार, उपराज्यपाल तथा एमसीडी कमिश्नर ने हाल ही में नालों की सफाई कार्य को मिशन मोड पर करने को कहा है तथा इस साल 15 जून तक सभी नालों को साफ करने का लक्ष्य पूरा करने तथा अन्य सभी कार्य पूरा करने को कहा गया है। नालों की सफाई सही तरह से समय पर हो सके इसके लिए आधुनिक मशीनों का प्रयोग किया जा रहा है। 94 करोड़ की लागत से 38 आधुनिक मशीनें खरीदने का निर्णय लिया गया है। इनमें से 12 मशीनें खरीदी जा चुकी हैं। अन्य की खरीद प्रक्रिया चल रही है। इधर सरकार द्वारा तय समय में नाले की सफाई करने के आदेश कुछ विभाग पालन कर रहे हैं तो सुस्त चाल दिखा रहे हैं। यही वजह है कि कुछ विभागों की नालों की सफाई को लेकर स्थिति ठीक दिख रही है तो कुछ जगह पर लापरवाही भी उजागर हो रही है। एमसीडी के चार फीट से अधिक गहरे नालों की सफाई अभी बहुत कम हुई है जबकि चार फीट से कम गहरे 12116 नालों की सफाई 60 प्रतिशत हो गई है।

नाले अभी भी भरे हैं गाद से

कई इलाके में नाले की सफाई हो रही है तो कई जगह पर कूड़े से पटे हुए नाले दिखाई दिए। वहीं, गाद सूख जाने के बाद भी लगे ढेर की सुध न लेने वाला कोई नहीं है। नालों की सफाई को लेकर साफ दिशा निर्देश हैं कि जो गाद निकाली जाए उसे सूखने के बाद तुरंत साफ कर दिया जाए। ताकि जब वर्षा हो तो वह फिर से नाले में न जाए और सूखकर यह धूल उड़ने का कारण न बने। लेकिन दिल्ली नगर निगम व एजेंसियों की लापरवाही के कारण जहां सफाई हुई है वहां पर कई जगह पर गाद सूखने के बाद भी सड़क पर साफ पड़ी हुई नजर आ रही है। इसी प्रकार पूर्वी दिल्ली में नाले की सफाई तो यहां दिख रही है, लेकिन नाले के किनारे गाद और कूड़े का ढेर दिख रहा है।

नालों की सफाई को लेकर उपराज्यपाल हैं सख्त

उपराज्यपाल टीएस संधू ने मानसून से पहले शहर की तैयारियों को पुख्ता करने के लिए कमर कस ली है। डीडीए के अधिकार क्षेत्र में आने वाले नालों के लिए गाद हटाने की कार्ययोजना-2026 की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि जलभराव रोकने के प्रयासों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एलजी ने डीडीए के छह जोन में चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को 15 जून तक सभी कार्य अनिवार्य रूप से पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्य गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। तय समय-सीमा का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। संधू ने कहा कि दिल्ली एक वैश्विक राजधानी है, यहां का बुनियादी ढांचा इसी प्रतिष्ठा के अनुरूप होना चाहिए। मानसून के दौरान जनता को असुविधा नहीं हो, इसके लिए सभी विभाग समवन्य के साथ कार्य करें।

NO ONLINE PRESENCE?
NO BUSINESS!
In today's digital world, if you're not found online, you don't exist.
KR Keya IT Research Pvt Ltd
DWARKA BASED DIGITAL GROWTH PARTNER
WE HELP BUSINESSES GET FOUND, GET TRUSTED & GET MORE CUSTOMERS.
COMPLETE DIGITAL SOLUTIONS TO GROW YOUR BUSINESS
WEBSITE DESIGN
SEO
DIGITAL MARKETING
GOOGLE LISTING
LEAD GENERATION
BRANDING & PROMOTION
MORE VISIBILITY. MORE LEADS. MORE SALES. THAT'S OUR PROMISE!
100% FOCUSED ON YOUR GROWTH
STOP WAITING. START GROWING!
CALL / WHATSAPP NOW 8802083910
LIMITED ONBOARDING SLOTS – BOOK YOURS TODAY!
www.keyait.com | LET'S BUILD YOUR ONLINE SUCCESS STORY!
KEYA IT RESEARCH PVT LTD
Your Trusted Digital Marketing & Website Design Company in Dwarka, Delhi
EXPERT TEAM | AFFORDABLE PRICING | RESULT DRIVEN | TIMELY DELIVERY

मीडिया में जनसेवा भी - रोजगार भी
क्या आप एक सफल पत्रकार बनना चाहते है?
क्या आप जनता की आवाज बनना चाहते है?
क्या आप मीडिया में अपना भविष्य बनाना चाहते है?
क्या आप जनता की सेवा/ सहायता / सुरक्षा करना चाहते है?
यदि हाँ, तो DTN मीडिया की प्रैस, टी० वी० एवं साईबर समाचार एजेंसी में है आपके लिये निम्न प्रकार के कुछ सुनहरे अवसर जैसे:-
यदि आप पत्रकारिता सीखना चाहते है?
तो आप DTN की मीडिया एकेडमी में प्रवेश लेकर पत्राचार द्वारा घर बैठे 6 माह का पत्रकारिता प्रशिक्षण कोर्स उतीर्ण करें जिसका शुल्क काफी कम है। कोर्स पूरा करने के बाद आप चाहें तो DTN या अन्य मीडिया में PRESS REPORTER की Job भी कर सकते है जिससे आपको समाज सेवा के साथ -साथ रोजगार भी मिल सकेगा।
यदि आप एक अनुभवी व कुशल पत्रकार है
तो आप DTN मीडिया में निम्न पदों पर कार्य कर सकते है:- जैसे प्रैस रिपोर्टर, फ्रीलांसर-पत्रकार, लेखक, विज्ञापन प्रतिनिधि/प्रबंधक, कैमरा मैन / फोटोग्राफर, ब्यूरो चीफ, राज्य प्रभारी, मीडिया सलाहकार, उपसंपादक, सह सम्पादक या समाचार सम्पादक आदि के रूप मे जुडकर अपना कैरियर बना सकते है।
कृपया अधिक जानकारी के निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करे:-
DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
Office: Plot No.4, chandra Park, (Opp. NSIT) Dwarka Mod Highway, New Delhi -110078
Helplines: 9868422283, 9968004686
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

NGO क्षेत्र में नाम, पावर व रोजगार
आप हमारे स्वयंसेवक बनकर किसी बेसहारा, दुःखी, रोगी, अन्याय पीड़ित व्यक्ति की मदद या उसे न्याय दिलवाने वाले सामाजिक कार्यों में अपना कैरियर बनाए।
CRIME FREE INDIA BUREAU
The National Anti Crime Force
Website: www.crimefreeindiabureau.com E-mail: cfibforce@gmail.com
क्या आप प्रैस-रिपोर्टर बनना चाहते है?
यदि हाँ ! तो आप प्रतिष्ठित दिल्ली टाइम्स न्युज मीडिया में अपने इलाके के पत्रकार बनकर जनता की आवाज बुलंद करें:-
DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com
क्या आप एक WOMEN RIGHT ACTIVIST बनना चाहती है?
यदि हाँ ! आप हमारी महिला समाज सेविका बनकर बिखरी नारी शक्ति को संगठित और सशक्त करने में अपना भविष्य बनाये। अधिक जानकारी हेतू सम्पर्क करें:-
NATIONAL WOMEN FORCE / राष्ट्रीय महिला सेना
पत्रकारों/लेखकों का आहवान
नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) मीडिया व पत्रकारों की सुरक्षा, कल्याण, विकास, उन्नति व सेवा मे समर्पित एक शक्तिशाली राष्ट्रीय संगठन है। अत: आप नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) से स्वयं जुड़े तथा औरो को भी जोड़े साथ ही अपने जिले में नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) की एक शाखा का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा व व्यक्तिव को एक नई पहचान दें।
कृपया मीडिया फोर्स के प्रदेश/जिला/ब्लाक अध्यक्ष बनने हुते शीघ्र सम्पर्क करें:-
NATIONAL MEDIA FORCE
(पत्रकारों की एक राष्ट्रीय सेना)
Website: www.nationalmediaforceindia.com E-mail: mediaforceindia@gmail.com
मेडिकल पेशे मे प्रतिष्ठा और कैरियर दोनों
● क्या आप आयुर्वेद, युनानी, होम्योपेथी या एलोपेथी चिकित्सा के कुशल व अनुभवी अनरजिस्टर्ड प्रेक्टिशनर है?
● क्या आप Paramedical कोर्स करना चाहते है? यदि हाँ, तो आप भारत सरकार, WHO व सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित प्राथमिक चिकित्सा में Certified Paramedical Practitioner (CPMP) बनकर अपनी सम्बंधित पेथी में खुलकर चिकित्सा अभ्यास/व्यवसाय करें। अत: अधिक जानकारी हेतु शीघ्र सम्पर्क करें।
GLOBAL HEALTH & MEDICAL COUNCIL
वैश्विक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परिषद
(Established Under the Central Law of ITA 1882 Vide Regd. 2570)
To Promote Quality Education, Research & Training in the Field of Health Care, Ayush, Paramedical Alternative Medicines, Traditional Therapies & Modern Medical System for disease free world
कृपया उपरोक्त संगठनों से संबंधी और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करें:
पंजीकृत कार्यालय: प्लाट न० 4, चन्द्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे (NSIT के सामने) नई दिल्ली-110078
प्रशासनिक कार्यालय:- प्लाट न० 3, हरि विहार, (मैट्रो पिलर न० 811 के सामने) द्वारका मैट्रो स्टेशन, नई दिल्ली:110078
हेल्पलाईन: 09868422283, 08368744424, 09212412283
मिलने का समय प्रात: 10 बजे से शाम 6 बजे तक/ रविवार अवकाश (कृपया आने से पूर्व सूचित करें)

युवा बचेगा- देश बचेगा | ओ३म् | युवा निर्माण राष्ट्र निर्माण
गुरु विरजानन्द गुरुकुल महाविद्यालय , करतारपुर द्वारा
पंजाब प्रान्तीय आर्य वीर दल, शिविर
(युवा जागृति शिविर)
दिनांक 25 मई 2026 से 31 मई 2026
स्थान:- गुरु विरजानन्द गुरुकुल, करतारपुर
(आवासीय) शिविर की विशेषताएँ
1. मातृ - पितृ देश भक्ति परक उद्बोधन 2. जीवन को अनुशासित बनाने हेतु विशेष दिनचर्या 3. संध्या- यज्ञ एवं वैदिक संस्कृति का प्रशिक्षण 4. व्यायाम,जुडो,कराटे,लाठी,भाला आदि द्वारा शारीरिक शक्ति में वृद्धि 5. समाज में आदर्श नागरिक बनाने हेतु विशेष अभ्यास
विशेष-समय प्रबन्धन , योग ध्यान एवं सूर्य नमस्कार का विशेष अभ्यास ,व्यक्तित्व विकास
हमारा उद्देश्य नशा मुक्त , प्रदूषण मुक्त , भ्रष्टाचार मुक्त भारत
आयु सीमा - 15 वर्ष से 50 वर्ष तक (केवल पुरुष)
सामग्री - 1 खाकी निकर,दो सफेद सेण्डो बनियान, कॉपी, पेन, सफेद पीटी जूते और सफेद जुराब , थाली कटोरी चम्मच गिलास पानी की बोतल, दो चादर व अन्य ऋतु अनुकूल आवश्यक सामग्री
सहयोग राशि - 800 रुपये प्रति शिविरार्थी
नोट- शिविरार्थी 25 मई को प्रात: 11 बजे तक शिविर स्थल पर पहुंच जावे ।
निवेदन - परिवार समाज एवं राष्ट्र निर्माण हेतु शिविर में छात्रों को भेजे तथा धन राशि देकर हमारा सहयोग करें ।
शिविर का समापन – 31 मई 2026 को सांयकाल 5 बजे से होगा ।
नोट: 1. मई मास में गर्मी का पूर्णतया प्रकोप रहता है और गर्मी के बचाव हेतु पंखे की ही सामान्य व्यवस्था होती है 2. इस शिविर में पिकनिक जैसा कुछ नही है, इस शिविर में तप की आवश्यकता रहती है और उसी से व्यक्तित्व का विकास होता है। 3. शिविर का भोजन सामान्य एवं पष्टिक रहता है, अत: जंक फूड का कोई विकल्प नहीं है। 4. शिविर को बीच में छोड़ने पर आर्थिक दंड देना पड़ सकता है। 5.शिविर में मोबाईल का प्रयोग पूर्ण रुप से वर्जित रहेगा। अत: यदि कोई शिविरार्थी मोबाईल लेकर आता है तो घर पर सूचना देने के उपरान्त मोबाईल कार्यालय में जमा करना होगा। 6.शिविर की दिनचर्या सख्त रहती है। अत: पूर्ण मानसिक योजना एवं पूर्ण संकल्प के साथ शिविर में भाग लें।
ध्रुव कुमार मित्तल प्रधान | मेहर चंद आर्य जिला संचालक अबोहर | शुभम जिला संचालक चंडीगढ़ | गगन आर्य जिला संचालक मोहाली | तन्मय जिला संचालक पटियाला
लवदीप सिंह जिला संचालक होशियारपुर | आर्यन वर्मा जिला संचालक मंडी गोबिंदगढ़ | अभिषेक जिला संचालक जालंधर | रोहित कुमार जिला संचालक कपूरथला | नरेंद्र नगर संचालक करतारपुर
पञ्जीकरण हेतु सम्पर्क करें मो.98030-43271, 86991-34423
शिविर- संयोजक- संजेश छाबड़ा, कोषाध्यक्ष आर्य वीर दल पंजाब | शिविर सह संयोजक- राहुल आर्य महामंत्री आर्य वीर दल पंजाब
निवेदक- आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब

संपादकीय

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

यूएई के बराकाह न्यूक्लियर प्लांट पर हमला

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल दफरा क्षेत्र में स्थित बराकाह न्यूक्लियर पावर प्लांट के परिसर में रविवार को एक ड्रोन हमला हुआ और उसके बाद आग लग गई। हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। ईरान और यूएई अब जानी दुश्मन बन चुके हैं। ड्रोन से बराकाह न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया गया। इस अटैक को यूएई ने बिना किसी कारण के आतंकी हमला बताया। बहरहाल इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी भी समूह ने नहीं ली है। मगर यूएई का आरोप ईरान की तरफ ही है। यूएई का मानना है कि यह हमला ईरान ने ही ड्रोन के जरिए किया है। पिछले कई दिनों से ईरान-यूएई में तनातनी चल रही है। ईरान का मानना है कि यूएई खुलकर अमेरिका और इजरायल की मदद कर रहा है और उसकी भूमि से ही अमेरिकी हमले हो रहे हैं। खबर तो यहां तक है कि वर्तमान जंग के दौरान ही इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके मोसाद प्रमुख ने यूएई का गुप्त दौरा किया था। ड्रोन हमले से बराकाह संयंत्र के बाहरी क्षेत्र में स्थित एक इलैक्ट्रिक जेनेरेटर में आग लग गई। यह आग संयंत्र की भीतरी परिधि के बाहर लगी थी। संघीय परमाणु नियामक प्राधिकरण (एफएएनआर) ने भी इस हमले की पुष्टि की कि आगे से संयंत्र की सुरक्षा या उसके जरूरी सिस्टम पर कोई असर नहीं पड़ा है और सभी यूनिट सामान्य रूप से काम कर रही है। सभी जरूरी एहतियाती कदम उठा लिए गए हैं और लोगों से अपील की गई है कि वे सिर्प आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी लें और अफवाहों से बचें। बयान में ड्रोन हमले के स्त्रोत के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी गई। ईरानी सूत्रों का कहना है कि हमने कोई हमला नहीं किया है तो फिर हमला किसने किया? क्या कोई तीसरी शक्ति अपना खेल तो नहीं खेल रही जो दोनों मुल्कों को लड़वा कर अपना उल्लू सीधा करना चाहती है। इससे पहले भी 5 मई को यूएई ने कहा था कि उसके वुछ क्षेत्रों पर ईरान से दागी गई मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया गया, लेकिन ईरान की सैन्य कमान ने इस आरोप से इंकार किया था।

ईरानी अधिकारियों ने यूएई के उन आरोपों को भी खारिज किया था जिसमें ईरान पर हमला करने का दावा किया गया था। दरअसल यूएई को ईरान इसलिए अपना दुश्मन मान रहा है, क्योंकि उसे लगता है कि यूएई की धरती का इस्तेमाल करके ही अमेरिका ने उस पर अटैक किए हैं।

बहरहाल इस हमले ने ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे नाजुक संघर्ष विराम को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है। ऐसा लग रहा है कि वूटनीतिक प्रयास भी अब काफी तनावपूर्ण होते जा रहे हैं।

संयुक्त अरब अमीरात ने इस हमले के पीछे के लोगों पर बिना किसी उकसावे के आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि वह अपनी देश की संप्रभुता पर किसी भी तरह के खतरे को बर्दाश्त नहीं करेगा। दक्षिण कोरिया की मदद से बने और 2020 से चालू बराकाह परमाणु संयंत्र अरब दुनिया का एक मात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। 20 अरब डालर की लागत से बना यह संयंत्र यूएई की लगभग एक चौथाई ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता है।

बंगाल में राजनीतिक हिसा रोकना भाजपा सरकार की सबसे बड़ी चुनौती

राजनीतिक हिसा को पूरी तरह नियंत्रित करना बंगाल के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि दंगाइयों, अपराधियों आदि के विरुद्ध तेजी से कार्रवाइयां हो रही हैं उनसे उम्मीद जगती है कि राजनीतिक हिसा का अंत होगा।

बंगाल में राजनीतिक हिसा रोकना भाजपा सरकार की सबसे बड़ी चुनौती पामि बंगाल में भाजपा सरकार गठन के बाद उम्मीद बंधी है कि चुनाव उपरांत हिसा नियंत्रित होगी। चार राज्यों एवं एक वेंद्र शासित प्रदेश में चुनाव हुए जिनमें तीन राज्यों पामि बंगाल, केरल एवं तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पाटा एवं घटकों की पराजय हुई। किंतु जैसा डरावना दृश्य पामि बंगाल में दिखा वैसा कहीं नहीं। चुनाव परिणाम के बाद पामि बंगाल से चार तरह की नकारात्मक और चिंताजनक तस्वीरें सामने आयीं।

वैद्यराज शालिग्राम
विद्यावाचस्पति

एक, चुनाव के बाद समस्त कोशिशें के बावजूद हिसा की घटनाएं सामने आती रही। दूसरे, तृणमूल कांग्रेस और उसकी नेत्री ममता बनजा विनम्रता से जनादेश स्वीकारने की जगह कह रहीं हैं कि हमारी 100 सीटें चुनाव आयोग ने लूट लिया। तीन, विपक्षी नेताओं ने सबसे ज्यादा समर्थन और सहानुभूति तृणमूल कांग्रेस और ममता बनजा को दिया है। केरल से माकपा नेतृत्व वाले वाम मोर्चा की सत्ता चली गई लेकिन कोई उनके लिए छाती नहीं पीट रहा है। एमके स्टालिन और द्रमुक विपक्ष के साथ भाजपा विरोधी अभियान और आव्रामकता में लगातार शामिल रहा है लेकिन उनके साथ भी यह व्यवहार नहीं। इन दोनों राज्यों के नेताओं ने न चुनाव आयोग पर कोई आरोप लगाया और न कहा कि हम हारे नहीं। दोनों राज्यों की स्थिति बिलवुल सामान्य है। ममता बनर्जी ने तो यहां तक कह दिया कि मैं चुनाव हारी नहीं हूं इसलिए इस्तीफा नहीं दूंगी। अंततः राज्यपाल ने संवैधानिक शत्ति का दुरुपयोग करते हुए उन्हें बर्खास्त किया। यह भारतीय राजनीति के इतिहास की असामान्य घटना थी। हालांकि बंगाल में इनसे अलग चौथी तस्वीर है जो हम सबको बहुत कुछ सोचने को विवश करती है। प्रदेश से आई तस्वीरों और वीडियो में लोग जगह-जगह चुनाव परिणाम का विजय उत्सव मनाते दिख रहे हैं। कहीं विजय जुलूस निकल रहे हैं, कहीं होली खेली जा रही है, कहीं कीर्तन हो रहे हैं, मानो उन्हें मुत्ति मिली हो। इनमें महिला, पुरुष, दलित, जनजाति, युवा, किशोर सब शामिल दिखाई देते हैं। अगर इन तस्वीरों को नजरअंदाज कर देंगे तो पामि बंगाल के सत्य तक नहीं पहुंच सकते। ये सारे विजय उत्सव भाजपा द्वारा ही आयोजित नहीं थे। स्वतःस्पूर्त तरीके से लोग ऐसा कर रहे हैं। बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जिनका भाजपा से किसी तरह का संबंध नहीं। चौथी तस्वीर बताती है कि 15 वर्षों के तृणमूल कांग्रेस शासन के विरुद्ध बड़े वर्ग में व्यापक असंतोष था जिससे वे मुत्ति चाहते थे।

दूसरी ओर इसका अर्थ यह भी है कि हिसा की तस्वीरों से ज्यादा सकारात्मक लोक मानस पूरे प्रदेश में है। यह लोक व्यवहार आश्वस्त करता है कि बंगाल हिसा के दौर से बाहर निकलेगा तथा शांति व समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। किंतु यह यूं ही नहीं हो सकता। हालांकि प्रदेश में जगह-जगह कुछ हिसा तो तृणमूल नेताओं द्वारा मकानों, जमीनों, कार्यालयों पर कब्जे के संदर्भ में हुई जब लोग स्वयं निकलकर इसे मुत्त कराने लगे। इसी तरह हिदुओं के कई धर्मस्थलों या धर्म स्थानों की मुत्ति के दृश्य भी सामने आए। कई जगह हमने देखा कि चुनाव परिणाम के बाद गांवों में वुछ लोग नारा लगाते हुए निकले और गुस्से में कोई तृणमूल का दिखा तो उसकी हल्की पिटाई कर दिया, उसके घर पर दो-चार डंडों का प्रहार कर फिर नारा लगाते चलते बने। ये दृश्य भी हिसा के ही है और रुकने चाहिए पर ये डरावने नहीं हैं। यह बताता है कि तृणमूल शासन में दादागिरी और माफियागिरी का साम्राज्य हो गया था। इसके विरुद्ध लोगों में गुस्सा होना स्वाभाविक है।

दूसरी ओर अगर विजय जुलूसों पर बमों से हमला हो या खींचकर मार दिया जाए या सरकार बदल गई इसके नाम पर लोगों की पिटाई हो, हत्या हो तो साफ है प्रदेश में स्वस्थ लोकतांत्रिक वातावरण नहीं है।

सबसे ज्यादा चर्चा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी जो तब मुख्यमंत्री नहीं थे के सहयोगी देवनाथ रथ की हत्या की हो रही है। उन्हें उत्तर 24 परगना के मध्यग्राम में सड़क पर ढेर करअंदर गोली मारी गई।

हत्यारे इतने दुस्साहसी थे कि उन्होंने सड़क पर ओवरटेक कर गाड़ी आगे से घेरा, मोटरसाइकिल से उतरकर छाती में प्रोपेशनल हत्यारे की तरह से गोली मारी और देखा कि उनके मृत्यु हुई कि नहीं। इसमें गिरफ्तारियां बता रही है कि यह पूर्व नियोजित था जिसमें भाड़े के हत्यारों का उपयोग हुआ था।

इसे राजनीतिक हिसा से अलग करके नहीं देख सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव परिणाम की संध्या भाजपा वेंद्रीय कार्यालय में भाषण देते हुए कहा कि राजनीतिक हिसा रुकनी चाहिए और हमें बदले की नहीं बदलाव की राजनीति करनी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव परिणाम के बाद ही बयान दिया था जो भी पाटा से जुड़ा व्यत्ति हिसा करेगा उसे निष्कासित कर दिया जाएगा। फिर इस पर पत्रकार वार्ता करके स्पष्ट अपील की गई एवं चेतावनी दी गई। सत्ता संभालते हैं शिवेंदु अधिकारी ने सबसे ज्यादा फोकस कानून व्यवस्था पर किया और धीरे-धीरे स्थिति बदलने लगी है।चुनाव से जुड़ी हिसा चाहे वह पूर्व हो या बाद में इस बात का प्रमाण होता है कि कोई दल या नेता हर हाल में केवल अपनी जीत देखना चाहता है।

यानी कोई मतदाता उससे खुश है या नाखुश, उसका समर्थक है या नहीं यह मायने नहीं रखता बल्कि हर हाल में उसका मत उसे चाहिए। यानी अगर वह दूसरे को मत देना चाहता है तो या तो मतदान केंद्र तक न जाए या अगर दे दिया तो उसे हर हाल में सबक सिखाना है ताकि भविष्य में कोई ऐसा न कर सके। पामि बंगाल में 1970 के दशक में कांग्रेस ने इसकी शुरूआत की, बाद में वाम मोर्चा इसके विरुद्ध आवाज उठाकर सत्ता में आया लेकिन राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध हिसा, हत्या, दमन उत्पीड़न, उनकी संपत्तियों पर कब्जा, आगजनी आदि को सत्ता का संपूर्ण संरक्षण प्राप्त हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव परिणाम के बाद ही बयान दिया था जो भी पाटा से जुड़ा व्यति हिंसा करेगा उसे निष्कासित कर दिया जाएगा। फिर इस पर पत्रकार वार्ता करके स्पष्ट अपील की गई एवं चेतावनी दी गई। सत्ता संभालते हैं शिवेंदु अधिकारी ने सबसे ज्यादा फोकस कानून व्यवस्था पर किया और धीरे-धीरे स्थिति बदलने लगी है।चुनाव से जुड़ी हिंसा चाहे वह पूर्व हो या बाद में इस बात का प्रमाण होता है कि कोई दल या नेता हर हाल में केवल अपनी जीत देखना चाहता है।

शुभेंदु सरकार के त्वरित निर्णयों से उभरता नया बंगाल

बंगाल में 69 वर्षों के अथक संघर्ष के बाद बनी शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार अपने चुनावी संकल्प पत्र के अनुरूप काम पर लग गई है। सत्ता परिवर्तन होते ही सभी धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर बंद करवाए गए। अवैध बूचड़खानों पर बुलडोजर एक्शन के आदेश जारी हुए। सभी विद्यालयों में अब सम्पूर्ण वंदेमातरम का गायन अनिवार्य कर दिया गया है। सड़कों पर नमाज व अन्य धार्मिक गतिविधियों पर पाबंदी लगा दी गई है। सीमा पर फेंसिंग के लिए सीमा सुरक्षा बल को जगह दे दी गई है और सम्पूर्ण भूमिहस्तांतरण निर्णय के 45 दिन में पूरा हो जाएगा। चिकन नेक क्षेत्र केंद्र को सौंप दिया गया है। धार्मिक आधार पर चलने वाली योजनाएं जैसे इमामों को वेतन बंद कर दिया गया है। आर.जी.कर केस की फाइल दोबारा खुलने के आदेश हो गए हैं। आयुष्मान भारत जैसी केंद्रीय जन कल्याण योजनाएं अब बंगाल पहुँच रही हैं।

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
मोबाइल:9821510040

शुभेंदु सरकार की गति और संकल्प सिद्धि के प्रयासों से जुड़े निर्णयों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ने लगा है। हालत यह हो गई है पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का डायमंड हार्बर मॉडल का पुष्पा जहागीर खान बहाना बनाकर फलटा विधानसभा उपचुनाव में ठीक उसी समय पलटा मारकर कर भाग गया जब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार को विजयी बनने के लिए रोड शो निकाल रहे थे। यह वही क्षेत्र है जहां विधानसभा चुनावों के दौरान ईवीएम मशीन पर भाजपा के चुनाव चिन्ह के आगे काला टेप लगा दिया गया था। यूपी के एक तेजतर्रार पुलिस अफसर अजय पाल शर्मा की आब्जर्वर के रूप में नियुक्ति हुई थी जिसके बाद जहांगीर खान ने पोस्टर जारी करके अपने आप को पुष्पा बताने की जुर्रत की थी। आज वही तथाकथित पुष्पा चुनावी मैदान बीच में छोड़कर भाग खड़ा हुआ। यह भय बनाम भरोसे में भरोसे की एक और बड़ी जीत है। यह सब कुछ हिंदुओं की एकजुटता और उनके जागरण से ही संभव हो सका है अगर हिंदू समाज आगे भी इसी प्रकार एकजुट रहता है तो सनातन का अपमान करने व उन्हें भयभीत करने वाले लोग इसी प्रकार से स्वतः प्रेरणा से भागते रहेंगे।

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के भगवावस्त्र धारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चरण स्पर्श किए थे और उनके शपथ ग्रहण में योगी जी ने अपना भगवा पटका उनके गले में डाला था तभी यह बात तय हो गई थी कि बंगाल भी उत्तर प्रदेश की तरह सांस्कृतिक पुनर्जागरण के मार्ग पर चलने वाला है। बंगाल में भी दंगाइयों व उत्पातियों का इलाज यूपी की ही तरह होगा। कोलकाता के जिस थाने पर दगांइयों ने हमला करने का प्रयास किया था वहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद पहुंचे और पुलिस बलों का मनोबल बढ़ाते हुए दंगाइयों व उपद्रवियों के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनाने को कहा। मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि पुलिस पहले ममता दीदी के गुंडों से डरती थी किंतु अब समय बदल चुका है।

शुभेंदु सरकार के बड़े निर्णयों में वर्ष 2021 के चुनावों के बाद राज्य में हुई राजनतिक हत्याओं व हिंसक घटनाओं की सभी फाइलें खोलना भी है जिसके कारण ममता दीदी इतनी अधिक भयभीत हो गयीं कि वह काला कोट पहनकर हाईकार्ट पहुंच गयीं और 2021 की हिंसा से ध्यान भटकाने के लिए 2026 के चुनावों के बाद घटी कुछ छुटपुट घटनाओं को सनसनीखेज बताने का असफल प्रयास किया। जब वह कोर्ट परिसर से बाहर निकलने लगीं तब वकीलों के एक बड़े समूह ने उन्हें घेर लिया और चोर -चोर के नारे लगाए।

बंगाल में अब सीबीआई तथा ईडी जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों का प्रवेश संभव हो गया है, जिससे वहां 69 वर्षों में हुए घोटालों की जांच में गति आएगी। ईडी ने टीएमसी के बड़े नेताओं को हिरासत में ले भी लिया है। शुभेंदु अधिकारी के 145 एकड़ जमीन बीएसफ को देने के ऐतिहासिक निर्णय से बांग्लादेशी घुसपैठ की रोकथाम में महत्वपूर्ण सफलता मिलने की आशा है क्योंकि बांग्लादेश से लगी हुई बंगाल की लंबी खुली सीमा से बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठिए आसानी प्रवेश कर लेते थे। अब सीमा पर तीव्रता के साथ फेंसिंग का कार्य होगा। बंगाल में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए धर्म के आधार पर चलने वाली सभी योजनाएं बंद कर दी गई हैं। नई सरकार ने वोटबैंक के पुराने ढर्रे को ध्वस्त करने के एजेंडे पर आगे बढ़ चुकी है। बंगाल कैबिनेट ने धर्म के आधार पर चलाई जा रही सभी वित्तीय सहायता योजनाओ को पूरी तरह से बंद करने का निर्णय लिया है। यह मात्र एक प्रशासनिक निर्णय नहीं अपितु बंगाल की राजनीतिक दिशा को बदलने वाला वैचारिक परिवर्तन है। चुनावी बिसात पर इमामों, मुअज्जिनों और पुरोहितों के लिए शुरू की गई मासिक भत्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बंगाल के खेल मंत्री नीशिथ प्रामाणिक ने कोलकाता के युवा भारती क्रीडांगन परिसर में लगी व लोगो वाली फुटबालर की आधी प्रतिमा को तोड़े जाने का आदेश दिया है, बंगाल सरकार की विभिन्न वेबसाइटो से भी इसे हटाया जा रहा है। दिसंबर 22 में अर्जेंटीना के फुटबॉलर मेसी के कार्यक्रम में मची भगदड़ और कुप्रबंधन की जांच की जाएगी। उस घटना की फाइलें खोलने के आदेश जारी हो चुके हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी व अन्य सभी सहयोगी मंत्री यह बात लगातार कह रहे हैं कि जिन लोगों ने बंगाल को लूटा और जनता के मन मे भय पैदा किया उन सभी पर कार्यवाही जरूर की जाएगी। बंगाल में अब आयुष्मान भारत योजना सहित केंद्र सरकार की तमाम कल्याणकारी योजनाओं के लागू होने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। भाजपा ने बंगाल की महिलाओं से किए गए वादों को भी लागू करना भी आरंभ कर दिया है। आगामी एक जून 2026 से महिलाओं को 3000 रुपये की मासिक सहायता वाली अन्नपूर्णा योजना को भी मंजूरी दे दी गई है। बंगाल की महिलाओ को बस में फ्री यात्रा की सुविधा भी मिलने जा रही है। सरकारी कर्मचारियों के साथ किया गया 7वें वेतन आयोग का वादा भी पूरा होने जा रहा है।

बंगाल में भी दंगाइयों व उत्पातियों का इलाज यूपी की ही तरह होगा। कोलकाता के जिस थाने पर दगांइयों ने हमला करने का प्रयास किया था वहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद पहुंचे और पुलिस बलों का मनोबल बढ़ाते हुए दंगाइयों व उपद्रवियों के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनाने को कहा। मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि पुलिस पहले ममता दीदी के गुंडों से डरती थी किंतु अब समय बदल चुका है।

उर्वरक उपयोग में 50% कमी से खेती-किसानी में आएगा क्रान्तिकारी बदलाव

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दिनों देशवासियों से किये गए सात आग्रहों में से एक आग्रह रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कमी लाने का आग्रह है। इसमें कोई दो राय नहीं कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुध उपयोग के दुष्परिणामों को लेकर गत कई सालों से गंभीर आग्रह किये जा रहे हैं। प्रति हैक्टेयर कृषि उत्पादन सेचुरेशन स्तर पर पहुंच गया है तो मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंच रहा है, मिट्टी और जल प्रदूषण उच्च स्तर पर पहुंच गया है तो रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से केंसर जैसी बीमारियों का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। होना तो यहां तक लग गया है कि अत्यधिक खाद्यान्न उत्पादन वाले किसान और प्रदेश अपने दैनिक उपभोग के लिए जैविक खाद्यान्न या अन्य प्रदेशों के खाद्यान्न के उपयोग पर जोर देने लगे हैं। इसके साथ ही यह भी एक तथ्य है कि देश में लाख प्रयासों के बावजूद रासायनिक उर्वरकों का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है। विदेशों से 979 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात में से ईंधन के बाद बहुत अधिक आयात राशि उर्वरकों पर भी व्यय होती है।

देश में करीब 600 लाख टन उर्वरकों की खपत है तो 2030 तक 700 से 800 लाख टन तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह है कि रासायनिक उर्वरकों में देश की मांग के शत-प्रतिशत पोटाश की विदेषों से आयात पर निर्भरता है तो फास्फेट के तकरीबन 90 प्रतिशत और यूरिया के करीब 25 प्रतिशत तक आयात पर निर्भरता है। मजे की बात यह भी है कि यूरिया की आयात निर्भरता तो करीब 25 प्रतिशत तक है पर यूरिया उत्पादन के लिए काम में आने वाली प्राकृतिक गैस की जरुरत करीब 80 प्रतिशत तक विदेशों से आयात से ही संभव हो पाती है। एक मोटे अनुमान के अनुसार रासायनिक उर्वरकों पर दो लाख करोड़ के आसपास अनुदान राषि दी जा रही है। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कटौती का आग्रह किया है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने के लिए जहां एक और जैविक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है वहीं पीएम प्रणाम योजना में राज्यों को प्रोत्साहित करने की व्यवस्था है। प्रधानमंत्री का आग्रह है कि 10 प्रतिशत फर्मेंटेड खाद का उपयोग बढ़ाकर किसान बड़ा सहयोग दे सकते हैं। जून 2023 में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार ने प्रोत्साहन योजना लागू की है। योजना के अनुसार रासायनिक उर्वरकों के तीन साल के औसत उपयोग से खपत कम करने पर अनुदान के रुप में बचाई गई राशि की 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकारों को प्रोत्साहन के रुप में देने की व्यवस्था की गई है। इसमें से 70 प्रतिशत राशि गांवों में वैकल्पिक उर्वरक यानी जैविक खाद उत्पादन व तकनीक के विस्तार पर व्यय करने पर जोर दिया जा रहा है वहीं 30 प्रतिशत राशि रासायनिक उर्वरकों की खपत करने के लिए काश्तकारों को जागरुक करने, अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने आदि पर व्यय करने का प्रावधान है। विषेषज्ञों का मानना है कि फर्मेंटेड खाद के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की खपत में अच्छी खासा कमी लाई जा सकती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फर्मेंटेड खाद मिलाने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री बीजेयूआर कार्यक्रम के तहत मिट्टी की जांच का जो व्यापक कार्यक्रम चलाया जा रहा है उसका उद्देश्य भी यही है कि खेत की आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग किया जाए। अंधाधूंध उपयोग को रोक कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाएं रखना है।

एक बात तो लगभग सबके संज्ञान में आ गई है कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण खेतों की मिट्टी की उपजाउ क्षमता प्रभावित हो रही है तो भूजल का अत्यधिक दोहन होने से भू जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है वहीं रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के कारण खतरनाक स्तर पर प्रदूषित हो रहा है। जैविक विविधता प्रभावित हो रही है तो खेती के सहायक कीटनाशकों का अस्तित्व ही समाप्त होने को है। इसके अलावा खाद्यान्नों के विषैला होने व इन खाद्यान्नों के उपयोग से बीमारियों का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इतना सबकुछ होने के बावजूद रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी ही हो रही है। 2025-26 के आंकड़ों की ही बात करें तो यूरिया में 138 प्रतिशत, डीएपी के उपयोग में 94 प्रतिशत और एनपीके के उपयोग में 83 प्रतिशत के आसपास बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में प्रधानमंत्री के आग्रह के निहितार्थ को समझना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आग्रह इस मायने में बहस का मुद्दा नहीं होना चाहिए कि सरकार देश की जरुरतों को पूरा नहीं कर पा रही। अपितु गंभीर चिंतन की बात यह है कि हम परंपरागत खेती या जैविक खेती को बढ़ावा देकर आने वाली पीढ़ी और जल-मिट्टी, वायु के प्रदूषण को कम करने में भागीदार बन सकते हैं। केवल 10 प्रतिशत फर्मिंटेड खाद मिलाने से ही बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। 50 प्रतिशत तक आयात निर्भरता कम की जा सकती है। आज हम रुस, ओमान, सउदी अरब, मोरक्को, चीन आदि पर उर्वरकों के आयात के लिए निर्भर है। और अरबो डालर आयात पर खर्च करके भी प्रदूषण और सेहत से खिलवाड़ पा रहे हैं। हांलाकि आज अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आसन्न संकट को देखते हुए दूरदृष्टि पूर्ण 7 आग्रहों को प्रतिपक्ष आलोचना के स्तर पर ले रहा है पर यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएम प्रणाम कार्यक्रम जून 23 से चलाया जा रहा है तो पीएमबीजेयूआर कार्यक्रम जो कि खेत की मिट्टी की जांच से जुड़ा कार्यक्रम है वर्षों से जारी है।

देश में करीब 600 लाख टन उर्वरकों की खपत है तो 2030 तक 700 से 800 लाख टन तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह है कि रासायनिक उर्वरकों में देश की मांग के शत-प्रतिशत पोटाश की विदेषों से आयात पर निर्भरता है तो फास्फेट के तकरीबन 90 प्रतिशत और यूरिया के करीब 25 प्रतिशत तक आयात पर निर्भरता है।

दिल्ली टाइम्स न्यूज रिक्तियां

DTN मीडिया समूह को निम्न पदों पर तत्काल आवश्यकता:-

● समाचार संपादक ● कार्यालय प्रबंधक (SEO) ● डिजिटल एडिटर ● वीडियो जर्नलिस्ट ● कंप्यूटर ऑपरेटर ● ग्राफिक डिजाइनर थंबनेल ● न्यूज एंकर ● सोशल मीडिया मैनेजर कम्युनिटी मैनेजर व-Youtuber/कंटेंट क्रिएटर ● स्क्रिप्ट राइटर ● इनफ्लुएंसर,

आकर्षक वेतन, भत्ते, इंसेंटिव और सुविधाएं
इच्छुक प्रार्थी अपना बायोडाटा शीघ्र भेजें

वेबसाइट: www.delhitimesnews.org
Email: delhitimesnews@gmail.com
मोबाइल: 9968004686, 9868422283

संपादकीय मंडल

प्रधान सम्पादक	:	डॉ. जसबीर आर्य
प्रबंध सम्पादक	:	वैद्यराज शालिग्राम विद्याचस्पति
समाचार सम्पादक	:	डॉ. फारूक अंसारी
कार्यकारी सम्पादक	:	अजीत स्वामी
अतिथि सम्पादक	:	बाबा जनार्दन दास
सलाहकार सम्पादक	:	डॉ संजय जोशी
संयुक्त सम्पादक	:	विनोद कुमार
सह सम्पादक	:	संत राम कांडा
उप संपादक	:	डा. उदयन आर्य
सोशल मीडिया प्रभारी	:	कुनाल
चीफ फोटोग्राफर	:	प्रदीप गौतम
आईटी प्रभारी	:	पवन जायसवाल
	:	(KIA IT Research)
मुख्य संवाददाता	:	अशोक मल्होत्रा
प्रधान ब्यूरो चीफ	:	अनिल शर्मा
विशेष संवाददाता	:	खालिद (गुड्डू)
कार्यालय प्रभारी	:	चरणजीत
तकनीकी प्रभारी	:	जितेन्द्र
जन संपर्क अधिकारी	:	मोहन दास
विज्ञापन प्रभारी	:	के .वी. शर्मा, जे.पी.पांडे
महिला प्रभारी	:	बीना
कानूनी प्रभारी	:	एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह, (दिल्ली हाईकोर्ट) 9821510040

Central Office:
दिल्ली टाइम्स न्यूज (DTN)
Plot No.4 Chandra Park (Opp.NSUT) Dwarka Mod Highway, New Delhi-110078
Helplines .:9212412283, 9650380366, 9868422283
Email:delhitimesnews@gmail.com
Web.www.delhitimesnews.com

सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी से रॉयल्स की उम्मीदें बरकरार

जयपुर: वैभव सूर्यवंशी की 38 गेंदों में 93 रन की आक्रामक पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) टी-20 मैच में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स (एल.एस.जी.) को 5 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा दिए।

एल.एस.जी. ने मिचेल मार्श की 96 रन की तेजतर्रार पारी की बदौलत 5 विकेट पर 220 रन बनाए, लेकिन सूर्यवंशी की पारी के सामने यह स्कोर भी बौना साबित हुआ। राजस्थान रॉयल्स ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 225 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अगर-मगर के बिना प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए राजस्थान रॉयल्स को आखिरी 2 मैच जीतना जरूरी था और गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों ने टीम को आसान जीत दिला दी।

रॉयल्स अब 13 मैचों में 14 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया। एल.एस.जी. पहले ही प्ले ऑफ की रेस से बाहर है। अपनी पारी की शुरूआती 10 गेंदों में सिर्फ 5 रन बनाने वाले सूर्यवंशी ने 38 गेंदों की पारी में 7 चौके और 10 शानदार छक्के जड़े।

उन्होंने कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल (43) के साथ पहले विकेट के लिए 39 गेंदों में 75 रन की सांझेदारी की, जबकि ध्रुव जुरेल (नाबाद 53) के साथ 45 गेंदों में 105 रन जोड़े। जायसवाल

ने 23 गेंदों की पारी में 8 चौके और एक छक्का लगाया, जबकि जुरेल ने 38 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाते हुए 3 चौके और 3 छक्के जड़े। सूर्यवंशी 13 मैचों में 579 रन के साथ मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर जोश इंगलिस ने एल.एस.जी. को तेज शुरूआत दिलाई। उन्होंने शुरूआती ओवरों में आक्रामक तेवर दिखाते हुए 29 गेंदों में 60 रन की तूफानी पारी खेली। इसके बाद "बाइसन" के नाम से मशहूर मार्श ने अपनी दमदार बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 चौके और 5 छक्के जड़े। मौजूदा सत्र में यह तीसरी बार रहा, जब उन्होंने 90 से अधिक का स्कोर बनाया।

एल.एस.जी. के लिए निराशाजनक रहे इस सत्र में मार्श का प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात साबित हुआ है। उन्होंने 13 मैचों में 563 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए यश राज पुंजा ने 2 विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर को एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल ने पहले ओवर में आकाश के खिलाफ 4 चौके जड़े। टीम ने इस ओवर से 23 रन बटोरे।

हम आखिरी ओवरों का फायदा नहीं उठा सके: पंत

मैच के बाद एल.एस.जी. के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि जोफ्रा आर्चर ने आखिरी ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी की। उसकी वजह से हम कुछ रन कम रह गए। वहां पर हम 5-10 रन ज्यादा बना सकते थे लेकिन हम ऐसा नहीं कर पाए। आप हमेशा अपने गेंदबाजों को बैक करना चाहते हैं लेकिन यह काफी मुश्किल होता है। इस तरह की विकेट पर गेंदबाजी मुश्किल होती है और बहुत ज्यादा सुझाव काम नहीं आते हैं। जहां तक शमी को मिस करने का सवाल है तो अनुभव एक ऐसी चीज है जिसे आप हमेशा मिस करते हैं। अनुभव हासिल करने में कई साल लग जाते हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज लगातार बैटिंग कर रहे थे। इसी वजह से शाहबाज अहमद को अटैक पर नहीं लगाया। हमारे पास दिग्वेश राठी थे तो इसी वजह से शाहबाज को गेंदबाजी पर लगाकर मैंने रिस्क नहीं लिया। जिस भी स्थिति में हम इस वक्त हैं लेकिन मुझे अपनी टीम पर गर्व है।

भारत में प्रतिभा की कमी नहीं: कोच व्हाइट

भोपाल: भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच टिम व्हाइट ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां चल रही अंडर-18 श्रृंखला के लिए अपने दौरे के दौरान देश में आयु वर्ग में अपार प्रतिभा की सराहना की। व्हाइट ने 6 सप्ताह पहले बेंगलुरु में अंडर-21 राष्ट्रीय टीम का कार्यभार संभाला था।

उन्होंने युवा स्तर और सीनियर राष्ट्रीय टीम के बीच मजबूत संबंध बनाने के महत्व पर जोर दिया। व्हाइट ने कहा, "मैं भोपाल आकर अंडर-18 टीम का मूल्यांकन करने के लिए बेहद उत्सुक था क्योंकि यही हमारी प्रतिभा का मुख्य स्रोत है। रानी (रामपाल) के साथ मेरी बहुत अच्छी बातचीत हुई, जो इस युवा टीम के साथ बहुत अच्छा काम कर रही हैं।" रानी अंडर-18 महिला टीम की कोच हैं। उन्होंने कहा, "यह युवा टीम है जिसमें 15 और 16 साल के कई खिलाड़ी हैं जिनमें शारीरिक और रणनीतिक रूप से परिपक्व होने की अपार संभावनाएं हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले और दूसरे मैच के बीच उन्होंने जो प्रगति की, वह बेहद उत्साहजनक है।" व्हाइट भारत की जूनियर टीम से जुड़ने से पहले हॉकी इंडिया लीग (एच.आई.एल.) में तमिलनाडु ड्रैगन्स पुरुष फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच थे।

ग्रैंड चैस टूर : अलीरेजा ने होटल के कमरे से खेला मुकाबला

बुकारेस्ट: ग्रैंड चैस टूर 2026 के पहले क्लासिकल संस्करण सुपर क्लासिक के 5वें राउंड में फ्रांस के अलीरेजा के बारे में आयोजकों नें बड़ी खबर दी एक दिन पहले कारुआना के खिलाफ नहीं आने का कारण उनके पैर में चोट थी और वह 5वें राउंड का मुकाबला उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव से अपने होटल के कमरे से ही खेलेंगे। अलीरेजा के कमरे में एक आर्बिटर और सीधे प्रसारण का भी इंतजाम किया गया। यह बाजी बेनतीजा रही पर दुनिया भर में अलीरेजा की खेल के प्रति समर्पण की तारीफ हो रही है। अन्य सभी बाजियां बेनतीजा रही 5 राउंड के बाद जर्मनी के विंसेंट केमर फिलहाल 3.5 अंक बनाकर आगे चल रहे है।

बी.बी.एल. के उदघाटन मैच की मेजबानी करेगा चेन्नई!

चेन्नई: चेन्नई का एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम, जो आई.पी.एल. में चेन्नई सुपर किंग्स का घरेलू मैदान है, दिसंबर में होने वाले 2026-27 बिग बैश लीग सीजन के उद्घाटन मैच की मेजबानी करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस साल फरवरी में ही एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम को संभावित मेजबान मैदान के तौर पर चिह्नित किया था। जानकारी के मुताबिक सी.ए. को तमिलनाडु क्रिकेट संघ और बी.सी.सी.आई. दोनों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और अब इस योजना को आगे बढ़ाने की तैयारी हो रही है।

भारतीय टीम टी-20 विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में : मंधाना

मुंबई: भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में है। महिला टी-20 विश्व कप 12 जून से इंगलैंड और वेल्स में खेला जाएगा। वनडे विश्व कप विजेता भारत 14 जून को टूनामैंट के अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा।

मंधाना ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा, "हमारा अभ्यास शिविर बहुत अच्छा रहा। मैं अभी इस बारे में इतना ही बताना चाहती हूं। मैं इस बारे में कोई विशिष्ट जानकारी नहीं देना चाहती हूं कि हमने किन चीजों पर काम किया है क्योंकि विश्व कप अब काफी करीब है। लेकिन मैं यह कहना चाहूंगी कि सभी खिलाड़ी अच्छी स्थिति में दिख रही हैं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से अभ्यास किया है और सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।"

विराट कोहली आई.पी.एल. के इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी

मुंबई: भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार 18 साल पुराने आई.पी.एल. के इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आर.सी.बी.) के साथ अपने जुड़ाव से 230 करोड़ रुपए कमाए हैं।

'फनेटिक स्पोर्ट्स और हुरुन' की रिपोर्ट के मुताबिक इंडियन प्रीमियर लीग की सभी 10 फ्रैंचाइजी का कुल मूल्यांकन 1.63 लाख करोड़ रुपए है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शाहरुख खान के मालिकाना हक वाली कोलकाता नाइट राइडर्स 19,200 करोड़ रुपए से अधिक के मूल्यांकन के साथ सबसे आगे है। इसके बाद अंबानी परिवार के मालिकाना हक वाली मुंबई इंडियंस

18,400 करोड़ रुपए और चेन्नई सुपर किंग्स 18,400 करोड़ रुपए के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट के अनुसार आई.पी.एल. टीम का औसत मूल्यांकन मौजूदा 1.8 अरब डॉलर से बढ़कर 2032 तक 15 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब फ्रैंचाइजी के बीच सौदे करने में दिलचस्पी काफी बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार आई.पी.एल. के इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वालों की सूची में कोहली के बाद रोहित शर्मा 227.2 करोड़ रुपए की कमाई के साथ दूसरे और महेंद्र सिंह धोनी 200 करोड़ रुपए की कमाई के साथ तीसरे स्थान पर हैं। महिला क्रिकेटरों की बात करें तो स्मृति मंधाना महिला प्रीमियर लीग में अब तक कुल 13.7 करोड़ रुपए की कमाई के साथ सबसे आगे हैं। वहीं शीर्ष 10 महिला खिलाड़ियों ने अब तक कुल मिलाकर सिर्फ 90 करोड़ रुपए ही कमाए हैं।

आर्सेनल 22 साल में अपने पहले प्रीमियर लीग खिताब के करीब

लंदन: काई हावर्ट्ज के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से आर्सेनल कुछ तनाव भरे पलों से गुजरने के बाद बर्नली पर 1-0 से जीत हासिल करके 22 साल में पहली बार प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूनामैंट का खिताब जीतने के करीब पहुंच गया। इस जीत से आर्सेनल के 37 मैच में 82 अंक हो गए हैं और अगर वह रविवार को होने वाले अंतिम दौर के मैच में क्रिस्टल पैलेस को हरा देता है तो वह चैंपियन बन जाएगा।

मैनचेस्टर सिटी 36 मैच में 77 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है और उसे खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए के लिए अपने अगले मैच में बोर्नमाउथ को हराना होगा। बोर्नमाउथ पिछले 16 मैचों से अजेय है। आर्सेनल की टीम इस सत्र में 2 प्रमुख खिताब जीतने के करीब है। वह 30 मई को चैंपियंस लीग के फाइनल में पैरिस सेंट-जर्मेन का सामना भी करेगी। आर्सेनल ने प्रीमियर लीग में अपना आखिरी खिताब 2004 में जीता था।

अफगानिस्तान के खिलाफ पंत वनडे टीम से बाहर, टैस्ट उप-कप्तानी भी गई

गुवाहाटी: विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एक टैस्ट के लिए भारतीय टीम की उपकप्तानी से हटा दिया गया है और तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए वह टीम में भी नहीं हैं। के.एल. राहुल को पंत की जगह भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है जबकि शुभमन गिल कप्तान होंगे।

सीनियर हरफनमौला रविंद्र जडेजा को टैस्ट मैच से आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी कार्यभार प्रबंधन के तहत टैस्ट और वनडे से आराम दिया गया है लेकिन वह इंगलैंड दौरे के लिए टीम में लौटेंगे। अजित अगरकर की अगुवाई वाली बी.सी.सी.आई. की सीनियर पुरुष चयन समिति की यहां बैठक हुई जिसमें अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं के लिए टीम चुनी गई। 6 जून से मुल्लांपुर में एकमात्र टैस्ट खेला जाएगा जबकि 3 वनडे 14 जून से धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में होंगे।

अगरकर ने चयन समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा,"बुमराह इंगलैंड दौरे पर वापसी करेंगे। वह अपने कार्यभार प्रबंधन पर काम कर रहे हैं।" स्पिन गेंदबाज मानव सुथार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को पहली बार टैस्ट टीम में चुना गया है। दोनों आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हैं। वनडे टीम में प्रिंस यादव को जगह मिली है।

फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद नेमार ब्राजील की विश्व कप टीम में

रियो डी जनेरियो: स्टार स्ट्राइकर नेमार को उनकी फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद ब्राजील की विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। यह फुटबॉलर इस तरह से अपना चौथा विश्व कप खेलेगा। 34 वर्षीय नेमार के नाम पर ब्राजील की तरफ से सर्वाधिक 79 गोल करने का रिकॉर्ड है लेकिन वह अक्टूबर 2023 में बाएं ए.सी.एल. में चोट लगने के बाद से अपनी सर्वश्रेष्ठ फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने इस साल ब्राजील के अपने क्लब सैंटोस के लिए 8 मैच खेले हैं, जिनमें 4 गोल किए। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को रियो डी जनेरियो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "उन्होंने अपनी फिटनेस में काफी सुधार किया है। वह इस विश्व कप में हमारे महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उनकी फिटनेस में और सुधार होने की संभावना है।"

82 साल की उम्र में बिली जीन किंग ने हासिल की स्नातक की डिग्री

लॉस एंजिल्स: बिली जीन किंग ने उपलब्धि हासिल करने की खुशी में अपना दाहिना हाथ उठाया, लेकिन यह उपलब्धि टैनिस कोर्ट पर एक और जीत नहीं थी। इस बार वह कॉलेज में अपने नामांकन के 65 वर्ष बाद डिग्री हासिल करने का जश्न मना रही थीं।

टैनिस जगत की दिग्गज और समानता की पैरोकार किंग ने सोमवार को 82 वर्ष की आयु में अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी करते हुए 'कैल स्टेट लॉस एंजिल्स' से इतिहास विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। श्राइन ऑडिटोरियम में आयोजित दीक्षांत समारोह में लगभग 6,000 विद्यार्थियों के साथ किंग ने मंच पर कदम रखा।

गुलाबी चश्मा, नीले स्पोर्ट्स शूज और काले गाउन में पहुंची किंग का उत्साह देखते ही बन रहा था। उन्होंने समारोह के बाद कहा, "उम्र चाहे जो भी हो और परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि आप कुछ हासिल करना चाहते हैं तो उसके लिए आगे बढ़िए। सीखने में कभी देर नहीं होती।" उनके गाउन पर सुनहरे रंग का विशेष स्टोल था, जिसे एक मित्र ने खास तौर पर तैयार कराया था। एक ओर उनके नाम के शुरूआती अक्षरों के साथ "जी.ओ.ए.टी." लिखा था, जिसका अर्थ है 'सर्वकालिक महान खिलाड़ी', जबकि दूसरी ओर रंग-बिरंगा टेनिस रैकेट कढ़ाई से बनाया गया था।

मुंबई के खिलाफ के.के.आर. के लिए आज ह्यकरो या मरो का मुकाबला

कोलकाता: टूनामैंट की खराब शुरूआत के कारण अगर मगर की कठिन डगर में फंसी कोलकाता नाइट राइडर्स (के.के.आर.) की टीम को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़नी होगी।

मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है लेकिन वह के.के.आर. के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी। अगर इस मैच में के.के.आर. हार जाती है, तो अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में उसकी टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहेगी। श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में खिताब जीतने के एक साल बाद 2025 में के.के.आर. 8वें स्थान पर रहा था। मुंबई के खिलाफ जीत से भी के.के.आर. का काम पूरा नहीं होगा। उसका भाग्य अभी भी शनिवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है, तो रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ के.के.आर. का आखिरी लीग मैच महज औपचारिकता रह जाएगा। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

बोपन्ना ए.आई.टी.ए. में प्रशासनिक भूमिका निभाने को तैयार, कहा: वास्तविक बदलाव लाना चाहूंगा

मुंबई: दिग्गज खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने मंगलवार को अखिल भारतीय टैनिस संघ (ए.आई.टी.ए.) में कोई प्रशासनिक भूमिका निभाने की इच्छा जाहिर की। बोपन्ना ने कहा कि वह वास्तव में बदलाव लाना पसंद करेंगे। ए.आई.टी.ए. के जल्द ही चुनाव होने वाले हैं।

पिछले महीने दिल्ली उच्च न्यायालय ने सितंबर 2024 के चुनाव नतीजों को बरकरार रखने की अनुमति दे दी थी लेकिन चुनी हुई संस्था को केवल एक अंतरिम व्यवस्था के तौर पर काम करने का निर्देश दिया था। चुने हुए लोगों को अदालत द्वारा नियुक्त प्रशासक पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल की देखरेख में काम करना था।

अदालत ने न्यायमूर्ति मित्तल को यह भी निर्देश दिया था कि वे संविधान को खेल अधिनियम 2025 और खेल प्रशासन नियम 2026 के अनुरूप बनाने के बाद तीन महीने के भीतर नए चुनाव करवाएं। बोपन्ना ने कहा, "चुनाव आने वाले हैं और हां, अगर भारतीय खेल को बदलने का कोई मौका मिलता है और मैं उसका हिस्सा बन पाता हूं तो मुझे इससे जुड़कर बहुत खुशी होगी। ऐसी जगह जहां मैं भारतीय टैनिस के विकास में सचमुच कोई बदलाव ला सकूं। असल में इसी चीज की जरूरत है- किसी पद पर बने रहने के लिए वहां मौजूद रहना नहीं, बल्कि सचमुच कोई असर डालना।

धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद सी.एस.के. बदलाव के दौर से गुजर रहा है : अश्विन

चेन्नई: पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सी.एस.के.) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ का समर्थन करते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद आई.पी.एल. की यह टीम स्पष्ट रूप से बदलाव के दौर से गुजर रही है। गायकवाड़ ने 2024 में सी.एस.के. की कप्तानी संभाली थी और अश्विन ने कहा कि आई.पी.एल. जैसे दबाव वाले टूनामैंट में किसी टीम का नेतृत्व करना आसान नहीं है। उन्होंने गायकवाड़ की कप्तानी को लेकर धैर्य बनाए रखने की भी अपील की। अश्विन ने कहा, "कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी का असर रुतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

मंडोली जेल में विचाराधीन कैदी की मौत

नई दिल्ली: मंडोली जेल में एक विचाराधीन कैदी की मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान शकरपुर निवासी 66 वर्षीय राजेंद्र कुमार जैन के रूप में हुई है। वह पिछले करीब सात महीने से जेल संख्या-13 में बंद थे। परिजनों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या का मामला बताया है। आरोप है कि जेल में उनसे 50 हजार रुपए की उगाही करने की कोशिश की गई थी, इस बारे में राजेंद्र ने पेशी के दौरान अदालत में बताने के साथ ही शिकायत भी दी थी। जानकारी के अनुसार, मृतक राजेंद्र कुमार जैन का हार्डवेयर का व्यापार था। उनके परिवार में पत्नी और बेटा रोहन जैन हैं। परिवार अभी कन्हैया नगर में रह रहे हैं। ये लोग मूल निवासी शकरपुर हैं। बेटे रोहन ने बताया कि उनके पिता के खिलाफ शकरपुर थाने में ठगी का एक मामला दर्ज था। इसी मामले में वह अंडर ट्रायल थे। शुक्रवार को उनकी कड़कड़डूमा कोर्ट में पेशी होनी थी, लेकिन एक दिन पहले उनकी मौत हो गई।

समय पर पहचान और बचाव ही सबसे बड़ा हथियार

नई दिल्ली: मच्छर जनित बीमारी डेंगू ने एक बार फिर राजधानी दिल्ली में दस्तक दे दी है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2026 के अंत तक राजधानी में डेंगू के 107 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून के दौरान संक्रमित मामलों में और तेजी आ सकती है। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में पनपता है तथा आमतौर पर दिन के समय अधिक सक्रिय रहता है। लोगों को जागरूक करने और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है- डेंगू नियंत्रण में सामुदायिक भागीदारी: जांच करें, साफ करें और ढकें। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम प्रकाश के अनुसार, डेंगू के शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, पर्याप्त आराम और शरीर में तरल पदार्थों की पूर्ति से अधिकांश मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो जाते हैं।

सीबीएसई: 12वीं कॉपी री-चेकिंग के लिए आज से आवेदन शुरू

नई दिल्ली: सीबीएसई कक्षा 12वीं की कॉपी री-चेक प्रक्रिया आज से ऑनलाइन 22 मई तक आवेदन जारी रहेगा। बोर्ड की अनुसार, पहले चरण में छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका की कॉपी मंगा सकेंगे। इसके बाद यदि उन्हें अंक जोड़ने या किसी उत्तर के मूल्यांकन में त्रुटि नजर आती है, तो वे अगले चरण में पुनः जांच के लिए आवेदन कर पाएंगे। यह प्रक्रिया 26 मई से 29 मई 2026 तक चलेगी। री-चेकिंग के लिए छात्रों को प्रति विषय 100 रुपए शुल्क देना होगा, जबकि किसी एक प्रश्न की जांच कराने के लिए 25 रुपए का भुगतान निर्धारित किया गया है। शुल्क का भुगतान ऑनलाइन ही किया जाएगा। बोर्ड के अनुसार, ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली के तहत सुविधाजनक फीस वापसी का प्रावधान शुरू किया है। खास बात यह है कि यदि पुनर्मूल्यांकन के बाद छात्र के अंक बढ़ते हैं, तो उसे जमा की गई फीस वापस कर दी जाएगी। छात्रों ने कॉपियों की मैनुअल जांच की मांग: सीबीएसई द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को सही ठहराए जाने के बाद भी छात्र संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। 12वीं के परिणाम के बाद कई विद्यार्थियों ने कम अंक आने पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में भी डिजिटल जांच के बजाय कॉपियों की मैनुअल जांच की जानी चाहिए। सोशल मीडिया पर भी छात्रों ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। अभिभावकों का आरोप है कि ओएसएम के दौरान स्क्रीन पर धुंधली लिखावट, धीमा सर्वर और तकनीकी गड़बड़ियों के कारण कॉपियों का मूल्यांकन ठीक से नहीं हो पाया।

डिजिटल मूल्यांकन से पहले टीचर्स की विशेष ट्रेनिंग: ऑन-स्क्रीन मार्किंग लागू करने से पहले शिक्षकों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया। जनवरी 2026 में सीमित स्कूलों में ट्रायल कर सिस्टम का परीक्षण किया गया। इसके बाद फरवरी में देशभर के मूल्यांकनकताओं के लिए डेमो सत्र और सुझाव लेने की प्रक्रिया शुरू हुई। 13 फरवरी को राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित कर बड़ी संख्या में शिक्षकों को जोड़ा गया। 15 फरवरी से पोर्टल खोलकर उन्हें वास्तविक उत्तर पुस्तिकाओं पर अभ्यास कराया गया। सभी चरण पूरे होने के बाद 7 मार्च से बोर्ड कॉपियों की जांच शुरू कर दी गई। हजारों कॉपियां हाथ से जांचनी पड़ीं: सीबीएसई के अनुसार इस वर्ष 12वीं परीक्षा की करीब 98 लाख से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन कर डिजिटल रूप में जांचा गया था। हालांकि इनमें से लगभग 13 हजार से ज्यादा कॉपियों की मैनुअल जांच करनी पड़ी।अधिकारियों ने बताया कि कई उत्तर पुस्तिकाओं में हल्की स्याही या अस्पष्ट लिखावट के कारण स्कैन स्पष्ट नहीं हो पाया। ऐसी स्थिति में ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन संभव नहीं था, इसलिए पारंपरिक तरीके से जांच की गई। बोर्ड ने कहा कि परिणामों में मामूली अंतर हर साल देखा जाता है।

पत्रकारों की आवाज, पत्रकारों का संगठन

डॉ जसवीर आर्य (वरिष्ठ पत्रकार) Ph.D
"नेशनल मीडिया फेडरेशन" - 2004 से मीडिया कर्मियों के हक की लड़ाई लड़ता एक सशक्त राष्ट्रीय मंच

नई दिल्ली: भारत में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माने जाने वाले मीडिया जगत को संगठित करने और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए सन 2004 में स्थापित "नेशनल मीडिया फेडरेशन" ठटक्रआज देश के हजारों मीडिया कर्मियों की पहली पसंद बन चुका है।

22 साल का सफर, एक मिशन:

द्वारका, नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय से संचालित ठटक्रका एक ही उद्देश्य है - "पत्रकारों का सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण" ।

पिछले दो दशकों में फेडरेशन ने छोटे शहरों के स्ट्रिंगर्स से लेकर राष्ट्रीय स्तर के संपादकों तक, सभी को एक मंच पर लाने का काम किया है।

NMF कारों के लिए क्या करता है?

1. कानूनी सुरक्षा कवच: पत्रकारों पर झूठे मुकदमे, धमकी या हमले की स्थिति में NMF की लीगल टीम सदस्यों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराती है।
2. प्रशिक्षण और कार्यशाला: नए पत्रकारों के लिए रिपोर्टिंग, डिजिटल मीडिया, फैक्ट-चेकिंग और मीडिया कानून पर नियमित वर्कशॉप।
3. पहचान और सम्मान: सक्रिय सदस्यों को NMF का अधिकृत प्रेस कार्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है, जिससे फील्ड में काम करने में सुविधा होती है।
4. राष्ट्रीय नेटवर्क देशभर के पत्रकारों से जुड़ने का अवसर। एक सदस्य की समस्या पूरे देश के NMF परिवार की समस्या बनती है।
5. सरकार तक आवाज: मीडिया से जुड़े मुद्दों, नीतियों और चुनौतियों को संगठित रूप से संबंधित मंचों तक पहुंचाने का काम।

चेयरमैन डॉ. जसबीर आर्य का संदेश:

"आज पत्रकारिता सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। फेक न्यूज का दौर है, दबाव है, असुरक्षा है। ऐसे में अकेला पत्रकार टूट सकता है, पर संगठित पत्रकार नहीं। NMF कोई अफसरशाही वाला संगठन नहीं है - ये पत्रकारों द्वारा, पत्रकारों के लिए बनाया गया परिवार है। 2004 से हमारा एक ही नियम है: किसी भी पत्रकार साथी को अकेला नहीं छोड़ेंगे।"

कौन जुड़ सकता है?

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, वेब मीडिया से जुड़ा हर व्यक्ति - रिपोर्टर, कैमरामैन, संपादक, स्तंभकार, यूट्यूबर, ब्लॉगर - NMF का सदस्य बन सकता है। छोटे शहर, कस्बे के पत्रकारों का विशेष स्वागत है।

कैसे जुड़ें?

नेशनल मीडिया फेडरेशन से जुड़ने और सदस्यता प्रक्रिया जानने के लिए संपर्क करें:
केंद्रीय कार्यालय: प्लॉट नंबर 3, हरी विहार, ककरोला, द्वारका सेक्टर 15, नई दिल्ली-110078
वेबसाइट: https://nationalmediafederation.org/
संपर्क: 9968004686, 9868422283
ईमेल: mediaforceindia@gmail.com
चेयरमैन कार्यालय से संपर्क हेतु वेबसाइट पर विजिट करें
"कलम की ताकत को एकजुट करें। NMF से जुड़ें - क्योंकि एकता में ही सुरक्षा है, सम्मान है।"

दिल्ली सरकार संवेदनशील एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था प्रदान करने के लिए कार्य कर रही है: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली: नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के एक समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अनुकंपा के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र तथा संविदा कर्मचारियों को मेडिकल हेल्थ कार्ड प्रदान किए। जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कनवेंशन सेंटर में शुक्रवार को आयोजित समारोह में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल आदि लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि एनडीएमसी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी मिलकर देश की सेवा में लगे लोगों की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र देश की प्रशासनिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था का केंद्र है और यहां कार्यरत कर्मचारी राजधानी की छवि को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री ने एनडीएमसी की सराहना करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों से आज 109 परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति के रूप में नई आशा मिली है। उन्होंने कहा कि यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवारों के भविष्य को संबल देने वाला जीवनभर का सहारा है। मुख्यमंत्री ने विशेष खुशी जताई कि नियुक्ति प्राप्त करने वालों में लगभग 90 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी चयनित अभियर्थी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर विकसित भारत, विकसित दिल्ली के संकल्प को मजबूत करेंगे।

मुख्यमंत्री ने एलएमएचएस योजना के तहत संविदा कर्मचारियों को मेडिकल हेल्थ कार्ड दिए जाने को भी बड़ी राहत बताते हुए कहा कि आज के समय में चिकित्सा खर्च परिवारों पर बड़ा आर्थिक बोझ बन जाता है। ऐसे में कैशलेस चिकित्सा सुविधा कर्मचारियों और

उनके परिवारों के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ संवेदनशील और पारदर्शी शासन व्यवस्था देने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी कर्मचारी, अधिकारी या सामान्य नागरिक के साथ अन्याय न हो और उसे सभी आवश्यक सुविधाएं सम्मानपूर्वक मिलें।

नेताओं ने भी इलेक्ट्रिक ऑटो में किया सफर

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं सतत शहरी परिवहन को बढ़ावा देने के आह्वान के क्रम में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने सांसद मनोज तिवारी के साथ सार्वजनिक परिवहन से यात्रा कर नागरिकों को पर्यावरण अनुकूल परिवहन अपनाने के लिए प्रेरित किया। एनडीएमसी उपाध्यक्ष एवं मनोज तिवारी ने पहले साझा ई-रिक्शा से यात्रा कर स्वच्छ एवं सुविधाजनक लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया तथा उसके बाद सेवा तीर्थ से राजीव चौक मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया।

यात्रा के दौरान उन्होंने मेट्रो यात्रियों से संवाद किया तथा नियमित रूप से सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले नागरिकों का आभार व्यक्त किया, जो ट्रैफिक जाम, ईंधन खपत एवं प्रदूषण कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

स्वच्छ परिवहन को और अधिक प्रोत्साहन देने के लिए एनडीएमसी ने सोमवार से अपने सभी पार्किंग स्थलों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पार्किंग शुल्क में 50 प्रतिशत रियायत लागू कर दी है। मेट्रो यात्रा के उपरांत चहल एवं मनोज तिवारी ने सीपी स्थित पार्किंग क्षेत्रों में ईवाहन उपयोगकताओं को फूल एवं चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा अधिक से अधिक लोगों को ईवी अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद चहल ने दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यालय में पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के साथ भी संवाद किया।

नए राशन कार्ड के लिए शुरू हुई ऑनलाइन प्रक्रिया

नई दिल्ली: दिल्ली में शुक्रवार से ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से नए राशन कार्ड आवेदन जमा करने और परिवार के सदस्यों को जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

दिल्ली सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के नोटिस में कहा गया है कि प्रक्रिया से संबंधित सहायता की आवश्यकता वाले आवेदक हेल्पलाइन नंबर 1967 पर संपर्क कर सकते हैं। सरकार ने पुराने और लंबे समय से लंबित आवेदनों को पुनः जमा करने के लिए आवेदकों के ई-डिस्ट्रिक्ट लॉगिन खातों में वापस भेजना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जिन आवेदकों के आवेदन लंबे समय से लंबित हैं, उन्हें अपने आवेदन और संबंधित राजस्व प्राधिकरण द्वारा जारी आवश्यक पारिवारिक आय प्रमाण पत्र पुनः जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 17 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक हैं, जिनमें लगभग 73 लाख सार्वजनिक वितरण प्रणाली लाभार्थी शामिल हैं, जिन्हें लगभग 2,000 उचित मूल्य की दुकानों से मासिक राशन मिलता है। फरवरी 2026 में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की थी कि दिल्ली सरकार इस वर्ष 2 लाख नए राशन कार्ड जारी करेगी। इस साल की शुरूआत में दिल्ली सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने सत्यापन अभियान चलाया और 2.76 लाख राशन कार्ड धारकों को नोटिस जारी किए गए।

अधिकारियों ने बताया कि केवल 1,000 से कुछ अधिक राशन कार्ड धारकों ने ही नोटिस का जवाब दिया है। आवेदकों से अनुरोध किया गया है कि अपने ई-डिस्ट्रिक्ट लॉगिन में ऑनलाइन आवेदन करें। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम से लंबित आवेदनों के बैकलॉग को कम करने में मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित होगा कि सभी आवेदनों के साथ आय संबंधी दस्तावेज संलग्न हो।

चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली: लाहौरी गेट थाना पुलिस टीम ने किराने की दुकान का दरवाजा काटकर 8.5 लाख रुपए नकद चोरी करने के मामले को सुलझाते हुए गिरोह के तीन बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में कांची लाल उर्फ अशोक, चंद्रवीर उर्फ चांद और ओमप्रकाश है। पुलिस ने इनके पास से 2.10 लाख रुपए और अपराध में इस्तेमाल की गई एक स्कूटी बरामद की गई है। उत्तरी जिला डीसीपी राजा बाँठिया ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर योगेश्वर सिंह की देखरेख में गठित टीम ने घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज खंगाली थी। जिसमें दुकान के अंदर तीन लोग नकद चोरी करते हुए और एक व्यक्ति दुकान के बाहर दिखाई दिया। 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाल आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई स्कूटी चांदी चौक इलाके के एक सीसीटीवी में कैद हुई। जो हर्ष विहार की रहने वाली थी। नौ मई को टीम बताए गए पते पर पहुंची, जहां से पता चला कि उसका पति कांची लाल उस स्कूटी का इस्तेमाल कर रहा था। घर की तलाशी के दौरान, 1.52 लाख नकद बरामद हुए।

भारत टैक्सी कैसी है, बताएंगे मेट्रो के यात्री

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने और कार पूल की अपील को देखते हुए डीएमआरसी ने भी अपने स्तर पर तैयारी को और पुख्ता करने की कोशिश की है। इसी कड़ी में दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन कहे जाने वाली मेट्रो प्रबंधन ने अपनी सेवाओं को विस्तार देने के मामले में भारत टैक्सी-बाइक को लेकर यात्री फीडबैक के लिए विशेष अभियान आरंभ किया है।

डीएमआरसी के अनुसार इस यात्री फीडबैक का उद्देश्य मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों से भारत टैक्सी-बाइक की सेवा और इसमें सुधार तथा इसके बारे में लोगों में क्या राय है, यह जानकारी हासिल करना है। डीएमआरसी ने इसके लिए 12 सवालों का एक विशेष गूगल फार्म भी तैयार किया है, जिसमें न केवल भारत टैक्सी की

खूबियों का जिक्र किया गया है, बल्कि यह भी बताया गया है कि यह टैक्सी सेवा मेट्रो स्टेशनों के बाहर से उपलब्ध है। यहां तक कि इसमें वसूले जाने वाले किराए पर भी प्रतिक्रिया मांगी है। बताया जाता है कि इस यात्री फीडबैक अभियान के माध्यम से अन्य टैक्सी सेवा के मुकाबले भारत टैक्सी के प्रति लोगों में क्या स्थिति है यह पता लगाया जाना है। दरअसल भारत टैक्सी में उबर व ओला टैक्सी के मुकाबले अधिक किराया लेने की बात अक्सर लोगों के जरिये सामने आती रही है। डीएमआरसी ने लोगों के फीडबैक के लिए यह सवाल भी पूछा है कि क्या भारत टैक्सी की सेवा-सुविधा से संतुष्ट हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न मेट्रो स्टेशनों के बाहर बैटरी आधारित साइकिल सेवा भी आरंभ की गई थी। हालांकि यह अधिक सफल साबित नहीं हो सकी है।

विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद
World Ayurved Research & Development Council (WARDC)

पुरानी और असाध्य बीमारियों का आयुर्वेद से समाधान
जहाँ एलोपैथी जवाब दे दे, वहाँ आयुर्वेद से लाभ संभव है।
80 वर्षीय खानदानी आयुर्वेद चिकित्सक

वैद्य शालिग्राम विद्यावाचस्पति
अध्यक्ष: WARDC
प्रधान संपादक: 'आयुर्वेद शिरोमणि'
नाड़ी विशेषज्ञ 50+ वर्षों का चिकित्सीय अनुभव

इन रोगों में विशेष लाभकारी:
- गठिया, साइटिका, कमर-सर्वाइकल दर्द
- दमा, पुरानी खांसी, साइनस, एलर्जी
- सोरायसिस, एक्जिमा, सफेद दाग
- किडनी स्टोन, प्रोस्टेट, पीलिया
- मधुमेह, रक्तचाप, थायराइड, मोटापा
- पाइल्स, कब्ज, फैटी लिवर, IBS
- PCOD, माहवारी विकार, बांझपन
- माइग्रेन, अनिद्रा, तनाव

नाड़ी परीक्षण द्वारा रोग की जड़ तक पहुँचकर चिकित्सा
आधुनिक रिपोर्ट +प्राचीन नाड़ी विज्ञान से सटीक निदान

नोट: इमरजेंसी जैसे हार्ट अटैक, स्ट्रोक, दुर्घटना में तुरंत नजदीकी एलोपैथिक अस्पताल जाएं।

दिल्ली मुख्यालय:
धन्वंतरि आयुर्वेद केंद्र (WARDC भवन)
प्लॉट नंबर 3, हरी विहार, (द्वारका मेट्रो स्टेशन पिलर नंबर 811 के सामने)
नई दिल्ली 110078, दूरभाष: 9958870626, 8588841143
समय: सुबह 10-1, शाम 5-8 तक
नोट: WARDC चिकित्सा केंद्र की कुरुक्षेत्र, जालंधर और होशियारपुर में भी शाखाएं हैं
Email: waradc@gmail.com
Website: www.worldayurvedresearch.com

पत्रकारों-लेखकों का आहवान

प्रिय मीडिया बंधुओ! जय हिंद! आपको सूचित किया जाता है कि NATIONAL MEDIA FEDRATION यानि राष्ट्रीय मीडिया महासंघ "पत्रकारों का एक प्रगतिशील संगठन है" जिसकि स्थापना ऋषिकेश में 2004 को आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में की गई थी।

NATIONAL MEDIA FEDRATION का उद्देश्य प्रेस, टीवी, फिल्म और सोशल मीडिया से जुड़े हुए पत्रकारों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनो, संपादको को संगठित, सुरक्षित, कुशल बनाना तथा उनके मीडिया प्रतिष्ठानों को अपने से संबंध करना है ताकि हमारे यह जाँबाज मीडिया सैनिक लोकतंत्र की सुरक्षा, सेवा और अपनी पत्रकारिता की पेशेवर जिम्मेदारी और ड्यूटी को पूरी निर्भीकता से संपन्न कर सके।

- NATIONAL MEDIA FEDRATION (NMF) प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के पत्रकारों की सुरक्षा का एक राष्ट्रीय मंच भी है।
- हमारा उद्घोष हम एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे! "मीडिया एकता जिंदाबाद"
- अत: मैं अपनी मीडिया भाई बहनों से निवेदन करता हूं कि आप किसी भी श्रेणी का अखबार या पत्रिका निकाल रहे हैं या आप अपना कोई यूट्यूब चैनल या न्यूज पोर्टल चला रहे हैं या आप पत्रकारिता के किसी भी स्ट्रीम का व्यवसाय कर रहे हैं तो आप हमारे" नेशनल मीडिया फेडरेशन" की सदस्यता अवश्य लें इसमें आपका हार्दिक स्वागत है।

निवेदक: डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)
(वरिष्ठ पत्रकार,लेखक एवं सोशल एक्टिविस्ट)
चेयरमैन,नेशनल मीडिया फेडरेशन,नई दिल्ली
वेबसाइट: www.nationalmediafederation.org
ईमेल: mediaforceindia@gmail.com
हेल्पलाइन: 9968004686, 9868422283

कानूनी सहायता केंद्र

आप सभी कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को सूचित किया जाता है कि संगठन के अन्तर्गत एक मजबूत कानूनी सहायता केन्द्र संचालित हो रहा है जिसके प्रभारी एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह जी हैं जो कानूनी मामलों के अनुभवी जानकार होने के साथ-साथ अपनी **जस्टिस लीग** नाम से अपनी एक लॉ फार्म भी चलाते हैं। हमारे इस केंद्र में सभी प्रकार की दिवानी और फौजदारी केसों के अलावा लेबर, मैरिज, मेडिकल, मीडिया, कॉरपोरेट और पारिवारिक विवादों के साथ NDPS, PMLA, ED, CBI, N.I.A. से संबंधी केसों में भी नि:शुल्क बेहतरीन परामर्श दिया जाता है, साथ ही जनहित से जुड़े मामलों में PIL भी डाली जाती है।

अत: कोई भी व्यक्ति इनकी सेवाएं ले सकता है।

(संपादक)

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
दिल्ली हाई कोर्ट
CEO, Justice League
मोबाइल: 9821510040

Jai Santoshi Maa

CIN No.: U45201DL2005PTC133194
GSTIN DELHI: 07AAICS8637E123
GSTIN HARYANA: 06AAICS8637E224 GSTIN MADHYA PRADESH: 23AAICS8637E129
PAN: AAICS8637E
Trademark Registered & Also have ESI & EPF registration

Tel. : 011-25073689, 28084389
Mobile: 9810258654, 9810658654
E-mail: info@swamicontractors.com
ajitswami@swamicontractors.com
swamicontractors@gmail.com

SWAMI CONTRACTORS PVT. LTD. Regd.

An ISO 9001-2015 Certified Company
Licenced by Contractors Council of India
Govt. & Private Contractors, Civil, Electrical, Fire Fighting Works & Constructions
Registered with Central Public Works Department (CPWD), Govt. of India & Class-I Contractor of PWD Haryana
Registered with NCT of Delhi for Electrical Work and NSIC with MSME

स्वात्वाधिकारी दिल्ली टाइम्स न्यूज़ के लिए प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक डॉ. जसवीर आर्य द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस, 656 बल्लीमारान, दिल्ली से मुद्रित तथा लोकप्रिय दिल्ली टाइम्स कार्यालय प्लॉट नं0 4 चंद्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे, नई दिल्ली 110078 से प्रकाशित।
Mobile :9212412283 नोट- किसी भी वाद-विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली रहेगा। इस अंक में प्रकाशित किसी भी सामग्री से संपादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रधान संपादक डॉ जसवीर आर्य (RNI No 60966/1997) www.delhitimesnews.org